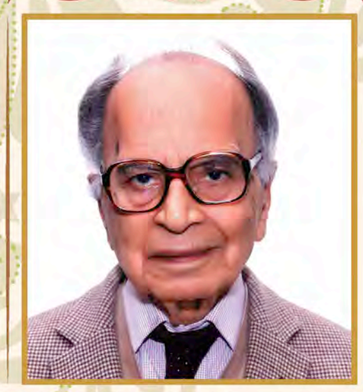

श्री जगमोहन

Shri Jagmohan



पद्म विभूषण

Padma Vibhushan



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

श्री जगमोहन

श्री जगमोहन एक उत्कृष्ट लोक सेवक, संसदविद्, केन्द्रीय मंत्री तथा मूल विचारक और लेखक रहे हैं। आपने सरकारी सेवा में अपने लंबे और शानदार कार्यकाल के दौरान अपने निष्पक्ष, न्यायोचित और प्रभावी तरीकों से निष्पक्ष, न्यायोचित और प्रभावी शासन का मॉडल तैयार करने के लिए अद्वितीय भावना के साथ काम किया है।

2. आपका जन्म 25 सितम्बर, 1927 को अब के पश्चिमी पाकिस्तान में हुआ था आपने पंजाब विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की तथा आप पंजाब और दिल्ली में सिविल सेवा में आए। शीघ्र ही आपने कार्यान्वयन आयुक्त तथा बाद में उपाध्यक्ष, दिल्ली विकास प्राधिकरण के रूप में अपनी पहचान बना ली। आपको दिल्ली मास्टर प्लान के प्रतिपादन तथा कार्यान्वयन में उल्लेखनीय योगदान करने तथा परियोजनाओं की योजना और कार्यान्वयन में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए जाना जाता है। आपने जनवरी, 1980 में दिल्ली के उप राज्यपाल के पद का कार्यभार ग्रहण किया। आप सबसे कम उम्र में दो बार दिल्ली के उप राज्यपाल बने तथा इस प्रतिष्ठित पद पर दो बार आसीन हुए। इस पद पर आपके दो कार्यकालों को दिल्ली के विकास का सर्वोत्तम काल माना जाता है। इस अवधि के दौरान तीन बड़े अन्तरराष्ट्रीय कार्यक्रमों का सफल आयोजन हुआ एशियन खेल, राष्ट्रमंडल देशों के शासनाध्यक्षों की बैठक तथा नॉन–अलाइनमेंट मूवमेंट कान्फ्रेंस। इन चुनौतीपूर्ण वर्षों के दौरान आपने अपने लिए एक ऐसे लोक सेवक के रूप में प्रतिष्ठा हासिल की जो प्रतिकूल स्थितियों में कार्यों को निष्पादित करा देते हैं।

3. आपको 26 अप्रैल, 1984 को जम्मू एवं कश्मीर के राज्यपाल के रूप में नियुक्त किया गया जब पाकिस्तान की सहायता तथा उसके उकसावे से अनेक विध्वंसकारी और आतंकवादी घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा था। आपने एक विस्फोटक स्थिति को अच्छी तरह से संभाला तथा अनेक संकटों से निपटे। कुछ समय के लिए राज्य को राज्यपाल के शासन के अधीन रखा गया। इस दौरान सक्रिय एवं फील्ड–ऑरिएंटिड प्रशासनिक तंत्र के माध्यम से अदभुत विकास हुआ। आपको 19 जनवरी, 1990 को ऐसे समय में दूसरे कार्यकाल के लिए नियुक्त किया गया जब पाकिस्तान समर्थक तथा अलगाववादी तत्वों ने कश्मीर में वास्तव में अपनी जड़ें जमा ली थीं। तथापि आपको सुनियोजित रणनीति के माध्यम से इसे उनके चुंगल से वापस निकालने का श्रेय जाता है। आपकी इस रणनीति को 19 से 26 जनवरी तक बड़ी तत्परता और दृढ़ता के साथ कार्यान्वित किया गया जिससे ब्लू–स्टार अथवा त्रिनानमेन स्कवायर जैसी त्रासदी को घटित होने से रोका जा सका।

4. राष्ट्रपति द्वारा आपको मनोनीत किए जाने के पश्चात आप लगभग छः वर्ष तक राज्यसभा के स्वतंत्र सदस्य रहे। 1996 के बाद आप नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से तीसरी बार लोक सभा का चुनाव जीते। आपने लगभग साढ़े पांच वर्ष तक प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के मंत्रिमंडल में केन्द्रीय मंत्री के रूप में सेवा की और संचार, शहरी विकास, पर्यटन तथा संस्कृति मंत्रालयों में मंत्री पद का कार्यभार संभाला। आपकी सोच, आपकी असाधारण और कड़ी मेंहनत तथा सभी राजनैतिक दलों के प्रति समभाव से आपकी चौतरफा सराहना हुई।

5. आपने एक महान लेखक और विचारक के रूप में अपनी जगह बनाई है। आपकी प्रकाशित रचनाओं में प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित 700 लेख तथा नौ पुस्तकें रिबिल्डिंग शाहजहांबाद, द वर्ल्ड सिटी ऑफ दिल्ली, आइलैण्ड ऑफ ट्रुथ, द चेलेंज ऑफ ओवर सिटीज, माई फ्रोजन टर्बूलेंस इन कश्मीर, द सोल एण्ड स्ट्रक्चर ऑफ गवर्नेंस इन इण्डिया, शेपिंग इण्डियाज न्यू डेस्टिनी, क्राइसिस ऑव एनवायरनमेंट एण्ड क्लाइमेट चेंज, रिफॉर्मिंग वैष्णो देवी एण्ड ए केस फॉर रिफॉर्म्ड, रिअवेकन्ड एंड एनलाइटेन्ड हिन्दुइज्म और ट्रम्प्स एण्ड ट्रेजिडीज ऑफ नाइन्थ दिल्ली।

6. किला राय–पथोरा, कुम्भलगढ़ तथा अजन्ता–एलोरा जैसे अनेक सांस्कृतिक केन्द्रों के सृजन जैसे प्रबंधन से जुड़े अनेक सुधारों के अतिरिक्त आपने 1986 में राज्यपाल के शासन के दौरान माता वैष्णों देवी मंदिर से जुड़े एतिहासिक सुधार प्रतिपादित और कार्यान्वित किए। मंदिर से जुड़े सुधारों के परिणामस्वरूप चंहुमुखी सुधार हुए हैं।

7. आपको अनेक पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं जिनमें पदमश्री (1971), पदम भूषण (1977), आस्ट्रेलियाई सरकार द्वारा सांस्कृतिक पुरस्कार तथा भारतीय लोक प्रशासन संस्थान द्वारा प्रदान किया गया पॉल एच. एप्पलेबी शामिल हैं। आपको कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय तथा गुरू नानक विश्वविद्यालय, अमृतसर द्वारा डॉक्टर ऑव फिलॉस्फी (मानद) की उपाधि प्रदान की गई।

Shri Jagmohan

Shri Jagmohan has been an outstanding civil servant, Parliamentarian, Union Minister and original thinker and writer. Throughout his long and illustrious years in public service, he has worked, with an unmatched passion, for creating a model of fair, just and effective governance by fair, just and effective means.

2. Born on September 25, 1927 in what is now West Pakistan, Shri Jagmohan got his Master's Degree from Punjab University and joined Civil Service at Punjab and Delhi. He soon made his mark as Implementation Commissioner, and later as Vice-Chairman, Delhi Development Authority. He is known for making a significant contribution to the formulation and implementation of the Delhi Master Plan and for playing a Pioneering role in Planning and Implementation of Projects. He took over as Lieutenant Governor, Delhi in January 1980. He was the youngest Lieutenant-Governor of Delhi who held this prestigious office twice. His two-terms in the office are generally reckoned as the finest hour of Delhi's development. It saw successful organization of three major international events- Asian Games, Commonwealth Heads of Governments Meeting and Non-Alignment Movement Conference. During all these challenging years, he built for himself the reputation of being a public servant who gets things done in the face of heavy odds.

3. Shri Jagmohan was appointed as Governor of Jammu and Kashmir on April 26, 1984, when there were a series of subversion and terrorism—related incidents, aided and abetted by Pakistan. He successfully handled an explosive situation and overcame a series of crises. For a short time, the State was placed under the Governor's Rule, during which unprecedented development was witnessed through revamped and field-oriented administrative machinery. He was appointed for his second term, on January 19, 1990 at a time when pro-Pakistan and secessionist elements had virtually established their sway on Kashmir. However he is credited for pulling it back from their claws by way of a well-planned strategy which was swiftly and determinedly executed from January 19 to 26, preventing, *inter-alia*, tragedy like that of a Blue-Star or Tinanmen Square.

4. After his nomination by the President, Shri Jagmohan remained as an independent Member of the Rajya Sabha for about six years. After 1996, he won a hat-trick of Lok Sabha elections from New Delhi Constituency. He served as Union Minister in the Cabinet of Prime Minister Atal Bihari Vajpayee, for about five and a half years, and held charge of a variety of portfolios, including Communication, Urban Development, Tourism and Culture. His vision, his extraordinary hard and honest-work and even handed approach to all the political parties, won him all round appreciation.

5. Shri Jagmohan has also established himself as a profound writer and thinker. His published works includes over 700 articles in leading newspapers and journals and Nine books : Rebuilding Shahjahanabad; The Walled City of Delhi: Island of Truth; The Challenge of Our Cities; My Frozen Turbulence in Kashmir; The Soul and Structure of Governance in India; Shaping India's New Destiny; Crisis of Environment and Climate Change; Reforming Vaishno Devi and a case for Reformed, Reawakened and Enlightened Hinduism; and Triumphs and Tragedies of Ninth Delhi.

6. Apart from a number of managerial reforms, leading to the creation of scores of cultural hubs, such as those pertaining to Quila Rai-Pathora, Kumbhalgarh and Ajanta-Ellora, Shri Jagmohan formulated and implemented the historic reforms of the Maata Vaishno Devi Shrine during Governor's Rule in 1986. Consequent to the Shrine reforms, all round improvements have come about.

7. Shri Jagmohan has been honoured with various awards and recognitions including Padma Shri (1971), Padma Bhushan (1977), cultural award by Australian Government and the Paul H. Appleby Award by the Indian Institute of Public Administration. He was conferred the degree of Doctor of Philosophy (Honoris Causa) by Kurukshetra University as well as by Guru Nanak University, Amritsar.